त्रिपुरा विश्वविद्यालय
सूर्यमणिनगर

TRIPURA UNIVERSITY

SURYAMANINAGAR

स्नातक (हिन्दी) मुख्य पाठ्यक्रम
(सत्र-पद्धति)

SYLLABUS OF UNDER GRADUATE

HINDI (MAJOR) COURSE

(Semester System)

वर्ष : 2014

YEAR : 2014

स्नातक (हिन्दी) मुख्य पाठ्यक्रम (सत्र-पद्धति)

वर्ष : 2014

सत्र	पत्र संख्या	पत्र का नाम
प्रथम सत्र	प्रथम पत्र सं. HIN-MAJ -1	हिन्दी साहित्य का इतिहास
द्वितीय सत्र	द्वितीय पत्र सं. HIN-MAJ - 2	हिन्दी गद्य साहित्य
तृतीय सत्र	तृतीय पत्र सं. HIN-MAJ - 3	मध्यकालीन हिन्दी काव्य
चतुर्थ सत्र	चतुर्थ पत्र सं. HIN-MAJ- 4	हिन्दी व्याकरण एवं भारतीय काव्य शास्त्र
पंचम सत्र	पंचम पत्र सं. HIN-MAJ - 5	प्रयोजनमूलक हिन्दी
	षष्ठ पत्र सं. HIN-MAJ - 6	भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा का इतिहास
षष्ठ सत्र	सप्तम पत्र सं. HIN-MAJ -7	आधुनिक काव्य
	अष्टम पत्र सं. HIN-MAJ -8	हिन्दी गद्य : विविध विधाएँ

निर्देश :

1. प्रत्येक प्रश्न पत्र का पूर्णांक 100 होगा, जिनमें 80 अंक का मूल्यांकन सत्रांत परीक्षा द्वारा एवं 20 अंक का मूल्यांकन आभ्यंतर परीक्षा द्वारा किया जाएगा ।
2. प्रत्येक प्रश्न पत्र की अवधि 3 घंटे होगी ।

प्रथम सत्र

मुख्य पाठयक्रम (हिन्दी)

प्रथम पत्र

पत्र सं. HIN-H-I **हिन्दी साहित्य का इतिहास**

इकाई 1. आदिकाल : काल-निर्धारण तथा नामकरण, परिवेश, सिद्ध- साहित्य, नाथ-साहित्य, जैन- साहित्य, रासो साहित्य।

इकाई 2. भक्तिकाल : परिवेश, संत काव्यधारा, प्रेमाख्यानक काव्य, राम भक्तिकाव्य साहित्य, कृष्ण काव्य।

इकाई 3. रीतिकाल : रीतियुगीन काव्यधारा, परिवेश, काव्य की प्रमुख प्रवृतियाँ।

इकाई 4. आधुनिक काव्य : परिवेश, भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, नयी कविता।

पाठ्य पुस्तक : हिन्दी साहित्य का नवीन इतिहास, डॉ. लाल साहब सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

अभिस्तावित पुस्तकें :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्राचारिणी सभा, काशी।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास – सं. डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
3. हिन्दी साहित्य का सुबोध इतिहास –बाबू गुलाबराय, प्रकाशक –लक्ष्मी नारायण अग्रवाल,आगरा-3
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास –लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय,लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. हिन्दी साहित्य का परिचयात्मक इतिहास – भगीरथ मिश्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

अंक विभाजन : पूर्णांक : 100

क) आभ्यांतर परीक्षा : 20 अंक

ख) 80 अंक (8x10 = 80) प्रत्येक इकाई से 3-3 प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें प्रत्येक से 2-2, कुल आठ प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे।

द्वितीय सत्र

मुख्य पाठ्यक्रम (हिन्दी)

द्वितीय पत्र

पत्र सं. H/N-H-2

हिन्दी गद्य-साहित्य

इकाई 1. उपन्यास : निर्मला - प्रेमचंद

इकाई 2. कहानी: पाठ्य कहानियाँ – पत्नी - जैनेन्द्र कुमार, जयदोल – अज्ञेय, वापसी – उषा प्रियंवदा, पिता – ज्ञानरंजन, जिन्दगी और जोंक –अमरकांत।

पाठ्य पुस्तक : प्रतिनिधि कहानियाँ – सं. डॉ. बच्चन सिंह, अनुराग प्रकाशन, वाराणसी

इकाई 3. नाटक : अंधेर नगरी – भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

इकाई 4. निबंध : रामचन्द्र शुक्ल – लोभ और प्रीति, महावीर प्रसाद द्विवेदी – कवि कर्तव्य, अज्ञेय- भारतीयता, श्री लाल शुक्ल – अंगद के पांव।

पाठ्य पुस्तक : एक यात्रा, सं. सिद्धिनाथ श्रीवास्तव तथा विशम्भरनाथ दूबे, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद

अभिस्तावित पुस्तकें :

1. हिन्दी का गद्य साहित्य- रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. हिन्दी साहित्य का नवीन इतिहास- लालसाहब सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
3. साहित्यिक निबंध – त्रिभुवन सिंह, विजय बहादुर सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
4. हिन्दी की श्रेष्ठ कहानियाँ – सं. पुरूषोत्तम मोदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
5. हिन्दी गद्य रूप सैद्धान्तिक विवेचन- निर्मला देवी श्रीवास्तव, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
6. नाटक एवं रंग परिकल्पना- गिरीश रस्तोगी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

अंक विभाजन : पूर्णांक : 100

क) अभ्यांतर परीक्षा : 20 अंक

ख) 80 अंक (8x10 =80) प्रत्येक इकाई से 3-3 प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें प्रत्येक से 2-2, कुल आठ प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे।

तृतीय सत्र
मुख्य पाठ्यक्रम (हिन्दी)
तृतीय पत्र

पत्र सं. HIN-MAJ-3 **मध्यकालीन हिन्दी काव्य**

इकाई 1. कबीर- (दोहा सं. 1 से 10 तक, पद सं. 1 से 5)

जायसी- मानसरोदक खण्ड : (पद सं. 1 से 8)

इकाई 2. सूरदास – भ्रमरगीत सार : (पद संख्या: 1 से 7)

मीराबाई- पदावली : (पद संख्या : 1 से 5)

इकाई 3. तुलसी – कवितावली (बाल-काण्ड) : (पद संख्या: 1 से 7)

पाठ्य पुस्तक : मध्यकालीन काव्यधारा : डॉ. शंकर एस. तेरदाल एवं डॉ. अम्बिका ए शिंगे, अमन प्रकाशन, कानपुर 12

इकाई 4. बिहारी (दोहा सं. 1,3,7,21,22,35,44,53,62,72)

घनानंद (पद सं. 2,3,4,11,18)

पाठ्य पुस्तक : रीति काव्य धारा : सम्पादक- डॉ. रामचंद्र तिवारी, डॉ. रामफेर तिवारी, विश्वविद्याल प्रकाशन, वाराणसी

अभिस्तावित पुस्तकें :

1. भक्ति आन्दोलन और भक्ति काव्य : शिव कुमार मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. उत्तरी भारत की संत परम्परा : परशुराम चतुर्वेदी, साहित्य भवन, इलाहाबाद
3. सूर और उनका साहित्य : हरवंश लाल शर्मा, भारत प्रकाशन मंदिर, अलिगढ़
4. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि : डॉ द्वारिका प्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर,आगरा
5. हिन्दी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि : डॉ द्वारिका प्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर,आगरा
6. हिन्दी साहित्य युग एवं प्रवृत्तियाँ: डॉ शिव कुमार शर्मा, अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली

अंक विभाजन : पूर्णांक : 100

क) अभ्यांतर परीक्षा : 20 अंक

ख) 80 अंक (8x10 =80) प्रत्येक इकाई से 3-3 प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें प्रत्येक से 2-2, कुल आठ प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे।

चतुर्थ सत्र
मुख्य पाठ्यक्रम (हिन्दी)
चतुर्थ पत्र

पत्र सं. HIN-MAJ- 4 **हिन्दी व्याकरण एवं भारतीय काव्यशास्त्र**

इकाई- 1. संज्ञा, सर्वनाम, वचन, क्रिया, क्रिया-विशेषण, विशेषण का सामान्य परिचय ।

इकाई- 2. संधि, समास, कारक एवं लिंग : परिभाषा एवं भेद।

इकाई- 3. पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, लोकोक्तियाँ एवं मुहावरे।

इकाई- 4. शब्द-शक्तियाँ : अभिधा, लक्षणा एवं व्यंजना, रस, छंद और अलंकार का सामान्य परिचय।

अभिस्तावित पुस्तकें :

1. हिन्दी व्याकरण , कामता प्रसाद गुरु, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
2. हिन्दी शब्दानुशासन, किशोरी दास वाजपेयी , नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
3. व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण और रचना, हरदेव बाहरी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. प्रामाणिक व्याकरण एवं रचना, डॉ. विजयपाल सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
5. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना, डॉ. वासुदेव नंदन प्रसाद ,भारती भवन, पटना
6. काव्यशास्त्र, डॉ. भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
7. भारतीय काव्यशास्त्र, डॉ.सत्यदेव चौधरी, अलंकार प्रकाशन, नई दिल्ली

अंक विभाजन : पूर्णांक : 100

80 अंक (4x20) - प्रत्येक इकाई से दो-दो प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें प्रत्येक से एक-एक, कुल चार उत्तर लिखने होंगे।

20 अंक (4x5) - प्रत्येक इकाई से दो-दो, कुल आठ लघु-उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें प्रत्येक से एक-एक, कुल चार उत्तर लिखने होंगे।

पंचम सत्र
मुख्य पाठ्यक्रम (हिन्दी)
पंचम पत्र

पत्र सं. HIN-MAJ- 5 **प्रयोजनमूलक हिन्दी**

इकाई-1 प्रयोजनमूलक हिन्दी : अवधारणा एवं विविध आयाम ।

इकाई-2 हिन्दी भाषा के विविध रूप : राष्ट्रभाषा, राजभाषा एवं भाषा, राजभाषा की संवैधानिक स्थिति।

इकाई-3 कार्यालयी प्रयोग में हिन्दी – सरकारी पत्र, अर्ध सरकारी पत्र, आदेश, निविदा, विज्ञापन, आलेखन, टिप्पंण।

इकाई-4 अनुवाद : प्रविधि एवं प्रकार ।

अभिस्तावित पुस्तकें :

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी : विविध आयाम : डॉ. अर्चना श्रीवास्तव, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. प्रयोजनमूलक व्यावहारिक हिन्दी भाषा: डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया, रचना भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, पटना
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धान्त एवं प्रयोग : दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. अनुवाद विज्ञान की भूमिका : कृष्ण कुमार गोस्वामी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. अनुवाद के भाषिक पक्ष : विभा गुप्ता, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
6. अनुवाद सिद्धान्त की रूपरेखा : सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

अंक विभाजन : पूर्णांक : 100

क) अभ्यांतर परीक्षा : 20 अंक

ख) 80 अंक (8x10 =80) प्रत्येक इकाई से 3-3 प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें प्रत्येक से 2-2, कुल आठ प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे।

पंचम सत्र
मुख्य पाठ्यक्रम (हिन्दी)
षष्ठ पत्र

पत्र सं. HIN-MAJ-6 **भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा का इतिहास**

इकाई 1. भाषा की परिभाषा, भाषा की विशेषताएँ, बोली और भाषा में अन्तर, भाषा विज्ञान की परिभाषा और क्षेत्र, भाषा विज्ञान की अध्ययन-पद्धतियाँ।

इकाई 2. ध्वनि विज्ञान, रूप विज्ञान, वाक्य विज्ञान और अर्थ विज्ञान और अर्थ विज्ञान का सामान्य परिचय।

इकाई 3. हिन्दी भाषा – नामकरण, उद्भव और विकास, हिन्दी की उपभाषाएँ, बोलियाँ : सामान्य परिचय।

इकाई 4. पारिभाषिक शब्दावली – तत्सम, तद्भव, देशज, आगत शब्दावली, देवनागरी लिपि : उद्भव और विकास, विशेषताएँ।

अभिस्तावित पुस्तकें :

1. हिन्दी भाषा : उद्भव, रूप और विकास – हरदेव बाहरी, किताब महल, इलाहाबाद
2. हिन्दी भाषा का विकास – गोपाल राय, अनुपम प्रकाशन, पटना
3. भारतीय आर्य भाषा और हिन्दी – सुनीति कुमार चटर्जी, हिन्दी समिति, लखनऊ
4. भाषा विज्ञान की भूमिका – देवेन्द्रनाथ शर्मा, अनुपम प्रकाशन, पटना
5. हिन्दी भाषा और देवनागरी लिपि – धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद

अंक विभाजन : पूर्णांक : 100

क) अभ्यांतर परीक्षा : 20 अंक

ख) 80 अंक (8x10 =80) प्रत्येक इकाई से 3-3 प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें प्रत्येक से 2-2, कुल आठ प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे।

षष्ठ सत्र
मुख्य पाठ्यक्रम (हिन्दी)
सप्तम पत्र

पत्र सं – HIN-MAJ-7 **आधुनिक काव्य**

इकाई 1. मैथिलीशरण गुप्त :- यशोधरा
माखनलाल चतुर्वेदी :- पुष्प की अभिलाषा
बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' :- पराजय गीत

इकाई 2. जयशंकर प्रसाद :- लज्जा
निराला :- जागो फिर एक बार
महादेवी वर्मा :- मंदिर का दीप

इकाई 3. हरिवंशराय बच्चन :- इस पार उस पार
रामधारी सिंह 'दिनकर' :- हिमालय
नागार्जुन :- बादल को घिरते देखा है

इकाई 4. अज्ञेय :- कलगी बाजरे की
शमशेर :- बात बोलेगी, एक पीली शाम
भवानीप्रसाद मिश्र :- गीत फरोश

पाठ्य पुस्तकें :-

1.आधुनिक काव्य संग्रह – संपादक- रामवीर सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

2. आधुनिक काव्यधारा – डॉ. विजयपाल सिंह, अनुराग प्रकाशन

अभिस्तावित पुस्तकें :

1. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि : डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर,आगरा
2. समकालीन हिन्दी कविता की नई सोच (1960 से 2009 तक) : डॉ. पद्मजा घोरपड़े, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3. अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या : रामस्वरूप चतुर्वेदी, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
4. हिन्दी साहित्य युग एवं प्रवृत्तियाँ: डॉ शिव कुमार शर्मा, अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली
5. दिनकर की साहित्य साधना : सं. डॉ. सतीश कुमार राय, किताब पब्लिकेशन, गाजियाबाद, दिल्ली
6. नई कविता की मुक्तधारा : विद्यानिवास मिश्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
7. हिन्दी काव्य का इतिहास : रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8. आलोचना की सामाजिकता : मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

अंक विभाजन : पूर्णांक : 100

क) अभ्यांतर परीक्षा : 20 अंक

ख) 80 अंक (8x10 =80) प्रत्येक इकाई से 3-3 प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें प्रत्येक से 2-2, कुल आठ प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे।

षष्ठ सत्र

मुख्य पाठ्यक्रम (हिन्दी)

अष्टम पत्र

पत्र सं – HIN-MAJ- 8 **हिन्दी गद्यः विविध विधाएँ**

इकाई 1. जीवनी : गुरुदेव - हरिभाव उपाध्याय
आत्मकथा : आत्मकथा अंश - भीष्म साहनी

इकाई 2. व्यंग्य : हरिशंकर परसाई - मैं नर्क से बोल रहा हूँ
रेखाचित्र : महादेवी वर्मा - भक्तिन

इकाई 3. डायरी का अंश : जगदीशचंद्र माथुर – जीवन निर्माता अध्यापक
रिपोर्ताज : हरिवंशराय बच्चन – प्रवास की डायरी : कुछ विशिष्ट पन्ने

इकाई 4. यात्रावृत्त : मणिमधुकर – सूखे चेहरों का भूगोल
रेडियो रूपक – अज्ञेय : देवताओं के अंचल मे

पाठ्य पुस्तक : गद्य के विविध आयाम – डॉ. राजु एस. बागलकोट, अमन प्रकाशन,104A /118, कानपुर–12, उत्तर प्रदेश

अभिस्तावित पुस्तकें :

1. हिन्दी साहित्य युग एवं प्रवृत्तियाँ : डॉ. शिव कुमार शर्मा, अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिन्दी का गद्य साहित्य : रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
3. हिन्दी साहित्य एवं संवेदना का विकास, डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. हिन्दी गद्य रूप सैद्धान्तिक विवेचन : निर्मला देवी श्रीवास्तव, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
5. साहित्यिक निबंध : त्रिभुवन सिंह, विजय बहादुर सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
6. साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार : डॉ. हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7. हिन्दी गद्य विधाएँ एवं विकास : पद्म सिंह शर्मा कमलेश, साहित्य संस्थान, दिल्ली
8. साहित्य में गद्य की नई विविध विधाएँ : कैलाशचंद्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली

अंक विभाजन : पूर्णांक : 100

क) अभ्यांतर परीक्षा : 20 अंक

ख) 80 अंक (8x10 =80) प्रत्येक इकाई से 3-3 प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें प्रत्येक से 2-2, कुल आठ प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे।